

पाठ - 1 (सूरज)

I 'सूरज' कविता कवि के नाम से लिखी
आठ पंक्तियाँ कंठस्थ करके लिखने का
अभ्यास करेंगे।

II शब्द - अर्थ

- | | |
|----------------------|------------------|
| क) पूरज - पूर्व दिशा | घ) वगन - आसमान |
| ख) बिखराता - फैलाता | ङ) दमकता - चमकती |
| ग) धरती - ज़मीन | च) छिपना - छिपना |

III एक शब्द से उत्तर लिखो

क) सुबह सूरज का रंग कैसा होता है ?

→ लाल

ख) सूरज निकलने पर कौन जाती है ?

→ चिड़ियाँ

ग) काम में लगे रहने से क्या दूर हो जाती है ?

→ सुस्ती

घ) सूरज ढलने समय धूप कैसी लगती है?

-> थकी - सी

ड) सूरज ढलने का क्या मतलब है ?

-> छिपना

IV एक जैसी अत्राजवली शब्द लिखो

क) खील - गील घ) सब - तब

ख) चलता - ढलता ड) कमकता - चमकता

ग) सारी - प्यारी च) जाती - आती

V उलट अर्थवाली शब्द लिखो :-

क) धीरे - धीरे x तेज ग) सुस्ती - चुस्ती

ख) चढ़ना x उतरना घ) आगे - पीछे

Pg-3

ज अभ्यास पुस्तिका से
पृष्ठ 5 से 1 और 2

— x —